पाठ्यक्रमः - मानवाधिकारः भारतीय परिप्रेक्ष्य (एम जी पी ई–016)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोड : एम जी पी ई–016/ए एस एस टी/टी एम ए/2025–26
पूर्णांकः 100

आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्नों का चयन करना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की शब्द–सीमा लगभग 500 शब्द हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. मानव चिंतन की भारतीय परंपराओं को समृद्ध करने में सिख धर्म तथा भक्ति–सूफी (Bhakti-Sufi) आंदोलन के विशिष्ट योगदानों की व्याख्या कीजिए।

2. मौलिक अधिकारों (Fundamental Rights) के अध्याय में प्रदान की गई स्वतंत्रताओं का वर्णन कीजिए।

3. वे प्रमुख संरचनात्मक बाधाएँ कौन-सी हैं जो अल्पसंख्यकों (minorities) तथा स्वदेशी/आदिवासी (indigenous) समुदायों को अपने मानवाधिकारों का पूर्ण रूप से उपभोग करने से रोकती हैं, तथा भेदभाव, हाशियाकरण (marginalization) तथा उनकी संस्कृति, भूमि और स्व-शासन के अधिकारों के उल्लंघनों के निवारण में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रक्रियाएँ (mechanisms) कितने प्रभावी रहे हैं?

4. मानवाधिकारों के संरक्षण में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए राष्ट्रीय आयोग (National Commission) की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

5. सामाजिक सुधारों के संदर्भ में, विशेषतः अस्पृश्यता के उन्मूलन (removal of untouchability), जाति व्यवस्था (caste system) तथा नारी गरिमा (dignity of womanhood) के प्रश्न पर गांधी के दृष्टिकोण का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

भाग – II

प्रश्न के प्रत्येक भाग पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

6. क) मानवाधिकारों के सकारात्मकतावादी–उपयोगितावादी (positivist-utilitarian) दृष्टिकोण (perspective) की स्वतंत्रतावादी (libertarian) आलोचना।
   ख) संरक्षणमूलक भेदभाव (protective discrimination) का संवैधानिक ढाँचा।

7. क) सामाजिक न्याय।
   ख) राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान नागरिक स्वतंत्रताओं (civil liberties) का प्रश्न।

8. क) संविधान में मौलिक कर्तव्यों (Fundamental Duties) की प्रासंगिकता।
   ख) नागरिक एवं राजनीतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वाचा (ICCPR) तथा आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय वाचा (ICESCR) के बीच परस्पर निर्भरता।

9. क) भारत में किशोर न्याय (juvenile justice)।
   ख) नरसंहार (genocide)।

10. क) सार्वभौमिकतावाद (universalism) और सांस्कृतिक सापेक्षवाद (cultural relativism)।
    ख) उग्र नारीवाद (radical feminism) तक समालोचनात्मक